व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास और श्रम एवं सेवा योजन विभाग का 'कौशल सतरंग' कार्यक्रम युवाओं को समर्पित

ओडीओपी से मिला पांच लाख को रोजगार: योगी

900 रुपये प्रति गोवंश सरकार किसान को दे रही है

2500 रुपये अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम के तहत युवाओं को देंगे

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

लोकभवन में गुरुवार को व्यवसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास और श्रम एवं सेवा योजन विभाग की तरफ से आयोजित 'कौशल सतरंग' कार्यक्रम के शुभारंभ पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के युवाओं के रोजगार और स्वरोजगार को समर्पित है। 'कौशल सतरंग' के सात घटकों को साथ मिलाकर आयोजित किया गया यह कार्यक्रम सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं है बल्कि जरूरत है योग्य योजक की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) के जरिए हमारी सरकार ने प्रदेश की खुशहाली का रास्ता तलाशा। इसके जरिए एक वर्ष में 5 लाख युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश अब देश का सबसे बड़ा निर्यातक है। ओडीओपी ने देश और दुनिया में ऐसी धूम मचाई है कि इस बार के यूनियन बजट में सभी प्रदेशों के लिए इसके लिए अलग से बजट की व्यवस्था की गई।

जीरो बजट खेती को दें बढ़ावा: मुख्यमंत्री ने कहा कि निराश्रित गोवंश के लिए हमारी सरकार 900 रुपये प्रतिगोवंश हर माह किसान को दे रही है। गोवंश के संरक्षण-संवर्धन के जरिए जीरो बजट खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। गोबर और गौमूत्र से बने उत्पादों की ब्रांडिंग की जरूरत है, इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सीएम युवा हब योजना के जरिए प्रदेश के प्रत्येक जनपद में युवाओं को रोजगार के साथ-साथ उद्यम से जोड़ा जाएगा। सीएम अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम के तहत युवाओं को हर माह 2500 रुपये मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2015-2016 में देश की प्रति व्यक्ति आय 1,20000 और यूपी की प्रति व्यक्ति आय 42,000 रुपये प्रति वर्ष थी। देश के विकास की प्रतिस्पर्धा में उत्तर प्रदेश काफी पिछड़ गया। 65-70 वर्षों में प्रदेश इतना क्यों पिछड़ा यह चिंता का विषय था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं में भरपूर प्रतिभा है, जरूरत है उन्हें सही दिशा देने की।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ श्रम व सेवायोजन विभाग के मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य, व्यवसायिक शिक्षा व कौशल विकास विभाग के राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, मुख्य सचिव आरके तिवारी मौजूद थे।

सातों घटकों का किया शुभारम्भ: कार्यक्रम में 'कौशल सतरंग' के सात घटकों का शुभारम्भ किया गया। पहला घटक सीएम युवा हब (मुख्यमंत्री युवा उद्यममिता विकास अभियान), दूसरा सीएम एप्स (मुख्यमंत्री अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम), तीसरा जिला कौशल विकास योजना (डीएसडीपी), चौथा घटक कौशल पखवाड़े का आयोजन, पांचवां घटक आईआईटी-कानपुर, छठा घटक आईआईएम-लखनऊ, सातवां घटक बेसिक शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग और पशुपालन विभाग के साथ एमओयू का आदान-प्रदान, रिकग्नीशन ऑफ प्रायर लर्निंग, (आरपीएल), प्लेसमेंट एजेन्सीज और रोजगार मेलों के आयोजन का शुभारम्भ किया।

लोकभवन में गुरुवार को कौशल सतरंग कार्यक्रम का उद्घाटन करते सीएम योगी आदित्यनाथ। इस दौरान सेवायोजन विभाग के मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य, राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, मुख्य सचिव आरके तिवारी भी मौजूद थे।

हुनरमंद आदिवासियों को जोड़ा कौशल विकास से

प्रदेश के श्रम एवं कौशल विकास मिशन तथा प्राविधिक शिक्षा विभाग द्वारा तैयार कौशल सतरंग के जरिये राज्य के हुनरमंद आदिवासियों को भी जोड़ा जा रहा है। ऐसे हुनरमंद आदिवासियों की प्रतिभा को पहचान करके उन्हें उनके पसंदीदा परम्परागत उद्योग व शिल्प से जोड़कर प्रशिक्षित किया जा रहा है।

यह काम कौशल ससरंग के तहत आरपीएल यानि रिकग्निशन आफ प्रायर लर्निंग के तहत किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने आदिवासियों को सौंपे प्रमाणपत्र

मुख्यमंत्री ने थारू, मुसहर व वनटांगिया समुदाय के हुनरमंद आदिवासियों को प्रमाण-पत्र सौंपे। प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं को मुख्यमंत्री ने नियुक्ति पत्र भी सौंपे। कौशल सम्सरंग के सात घटकों का लाभ उठाते हुए युवा पालीटेक्निक, आईआईटी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार मेलों के जरिये विभिन्न कंपनियों में नौकरी भी हासिल कर रहे हैं। ऐसे ही तीन युवाओं ने अपनी सफलता की कहानी मंच से सुनाई।

Hindustan page 2 date 13/3/20